॥ हुई सफल कमाई महाराज भरतरी थारी भरतरी भजन ॥

Chalisamantras.com

हुई सफल कमाई महाराज,
भरतरी थारी, भरतरी ओ थारी ।
मालिक रे कारण जोग फकीरी धारी ।
ईश्वर रे कारण जोग फकीरी धारी ॥

राजा सूतो महल रे माँय,
तरषणा जागी, तरषणा ओ जागी ।
ज्यां ने मिल गया गोरख नाथ,
भरमना ओ भागी ॥
हुई सफल कमाई महाराज..

राजा गयो जंगल रे माँय,
दे रयो हेला, दे रयो हेला ।
ज्यां ने मिल गया गोरख नाथ,
मूड लिया चेला ॥
हुई सफल कमाई महाराज..

राजा जावो शहर रे माँय,
दे आवो फेरी, दे आवो फेरी ।
पिंगळा ने कहिजो मात,
करो मत देरी ॥
हुई सफल कमाई महाराज..

राजा गयो महल रे माँय,
दे रयो फेरी, दे रयो फेरी ।
भिक्षा घालो पिंगळा मात,

Chalisamantras.com

मत करो देरी ॥
हुई सफल कमाई महाराज..

राणी खड़ी महल रे माँय,
लटिया तोड़े, लटिया तोड़े ।
राजा एक दिन पकड्यो हाथ,
प्रीत काँई तोड़े ॥
हुई सफल कमाई महाराज..

राणी खड़ी ड्योढ़ी के बीच,
कलप रही काया, कलप रही काया ।
थारा मरजो गोरख नाथ,
राज छुड़वाया ॥
हुई सफल कमाई महाराज..

राणी मत दे गुरुने गाळ,
करम रेखा न्यारी, करम रेखा न्यारी ।
म्हारे लिखिया विधाता लेख,
टरे नहीं टारी ॥
हुई सफल कमाई महाराज..

एक सोहन शिखर रे बीच,
सांकड़ी सेरी, सांकड़ी सेरी ।
ए गावे जरणानाथ,
भजन रा ओ लहरी ॥

हुई सफल कमाई महाराज,
भरतरी थारी, भरतरी ओ थारी ।

Chalisamantras.com

मालिक रे कारण जोग फकीरी धारी ।
ईश्वर रे कारण जोग फकीरी धारी ॥

Chalisamantras.com

Chalisamantras.com